Sixteenth Loksabha

an>

Title : Regarding various diseases caused by excessive use of pesticides.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद) : अध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहता हूं कि समुचित ज्ञान के अभाव में, देश के अन्न पैदा करने वाले किसान, खासकर फल और सब्जियां पैदा करने वाले किसान अपनी फसलों को उगाने के लिए और ज्यादा उत्पादन के लिए अन्धाधुन्ध रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं। किसान अनजाने में ऐसा कह रहे हैं, जबकि हमारी सरकार सॉइल हेल्थ कार्ड योजना लाई है और उनको इस बारे में ज्ञान दिया जा रहा है। लेकिन उस किसान से बड़ी गलती उसका व्यापार करने वाले कर रहे हैं, जो रासायनिक दवाइयां फलों-सब्जियों पर छिड़क रहे हैं। उन दवाइयों को डालकर वे उनको जल्दी तैयार करते हैं या फिर बासी सब्जियों को ताजा दिखने के लिए उन पर केमिकल्स डालते हैं। मेरा कहना है कि इसके कारण देश में किडनी, लीवर आदि संबंधी गंभीर बीमारियां लोगों में फैल रही हैं। गरीब लोग इन बीमारियों के महंगे इलाज का खर्च वहन नहीं कर पा रहे हैं। सरकार उनको मदद देती है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी डिमाण्ड रखिए, लम्बा वक्तव्य मत दीजिए। सवा तीन बज रहे हैं।

श्री सुशील कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदया, इसके लिए जब हम अनुशंसा करते हैं तो आधी-अधूरी राशि प्रधानमंत्री सहायता योजना से मिलती है। मेरा कहना है कि इसके लिए एक ऐसा मैकेनिज्म डेवलप किया जाए, जिससे किसान को इस बारे में बताया जाए और उस पर कुछ पाबन्दियां भी लगाई जाएं। उनको ज्ञान भी दिया जाए और उनको संयमित भी किया जाए, क्योंकि किसानों के बच्चे भी बीमार हो रहे हैं, उनके भी लीवर और किडनी खराब हो रही है। देश के अंदर सरकार इस तरह का मैकेनिज्म डेवलप करे, जिससे किसानों को जागरूक किया जा सके और इस समस्या से देशवासियों को निजात मिल सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

श्री आलोक संजर,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री दद्दन मिश्रा,

श्री जगदम्बिका पाल,

डॉ. मनोज राजोरिया,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री सुमेधानन्द सरस्वती,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री रोडमल नागर,

श्री सुधीर गुप्ता एवं

डॉ.वीरेन्द्र कुमार को श्री सुशील कुमार सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Shri M.B. Rajesh. You can raise only one subject. How have you given notices of two subjects?

SHRI M.B. RAJESH (PALAKKAD): Madam, I will raise only one subject.

HON. SPEAKER: Yes.